प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

विश्वविद्यालय के गृहविज्ञान महाविद्यालय में आज एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के प्रथम बैच 1960 के छात्र, प्रख्यात वैज्ञानिक एवं गेस्ट फैकल्टि, डा. बी.बी. सिंह उपस्थित थे। उन्होंने 'ओरिजन ऑफ यूनिवर्स, इवोलियोशन ऑफ लाइफ एण्ड इमर्जेन्स ऑफ हयूमन्स एग्रीकल्चर साइंस एण्ड टेक्नोलोजी' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरूआत अधिष्ठात्री गृहविज्ञान महाविद्यालय, डा. अल्का गोयल ने डा. बी.बी. सिंह को फूलों का गुलदस्ता प्रदान कर किया।

डा. बी.बी. सिंह ने अपने व्याख्यान की शुरूआत कुछ दिलचस्प सवालों से की जैसे आसमान और जमीन के बीच की दूरी, सूरज रात में कहां चला जाता है, बिजली कैसे कड़कती है आदि। उन्होंने अपने व्याख्यान में ब्राहमाण्ड की रचना एवं जीवन की क्रमागत उन्नति से संबंधित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्यों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया की आज से 4500 मिलियन वर्षों पूर्व मानव जीवन की उत्पत्ति हुई। इसी के साथ उन्होंने भौतिक, रासायनिक एवं जैविक विज्ञान को जोड़ते हुए इस बात पर जोर दिया कि सभी मानव जाति जैविक विज्ञान के ही भाग हैं। उन्होंने इस ओर ध्यान केंद्रित किया कि सभी जीव–जंतु एवं मानव जाति के भ्रूण विकास में समानता है और सभी एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। डा. सिंह ने डोमेस्टिकेशन ऑफ क्रोप्स टू डिजिटल एग्रीकल्चर के कन्सेप्ट की चर्चा करते हुए हरित क्रांति और उससे जुड़ी कृषि फसलों में उत्थान की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि हरित क्रांति में विश्वविद्यालय का अहम योगदान रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को एक बेहतरीन जीवन जीने के लिए पांच मूल मंत्र दिये।

इस कार्यक्रम का आयोजन गृहविज्ञान महाविद्यालय की प्लेसमेंट कमेटी की समन्वयक, डा. सीमा क्वात्रा एवं अन्य सदस्य डा. अनुपमा पाण्डे, डा. नीतू डोभाल, डा. दिव्या सिंह, डा. शैफाली मैसी एवं डा. रागिनी मिश्रा द्वारा किया गया। अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष, डा. शहनाज जहां, डा. अनुराधा दत्ता, डा. अदिति वत्स एवं अन्य टीचिंग स्टाफ एवं महाविद्यालय के स्नातक तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डा. शेफाली मैसी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. दिव्या सिंह ने प्रस्तुत किया।

अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम में संबोधित करते डा. बी.बी. सिंह।